

Regarding shortage of fertilizers

डॉ. नामदेव किरसान (गड़चिरोली-चिमुर) : धन्यवाद सभापति महोदया, जून-जुलाई में फसल लगाने का सीजन होता है और इस समय किसानों को खाद की जरूरत होती है। इस समय फसल लगाई जाती है और इसी समय खाद की किल्लत शुरू हो होती है।

महाराष्ट्र में राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड खाद निर्माण की एक यूनिट है। इस यूनिट को बताया गया है कि 70 प्रतिशत खाद महाराष्ट्र और 30 प्रतिशत अन्य राज्यों को दी जाएगी, लेकिन यह रेश्यो मेनटेन नहीं होता है, इसलिए हमारे महाराष्ट्र के किसानों को खाद नहीं मिलती है। इसी तरह तेलंगाना में रामागुंडम केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड हमारी कांस्टीटुएंसी से लगा हुआ है। हमारे कुछ तालुका और विधान सभा कांस्टीटुएंसी इसके पास में आती है। उस यूनिट की खाद हमारे पास के क्षेत्र एरिया को जल्दी मिलने से बहुत सुविधा होगी।

महोदया, खाद की सप्लाई समय पर होनी चाहिए। इसके लिए जो भी सप्लायर कम्पनियां हैं, उनको निर्देश देना चाहिए। ये कंपनियां खाद के साथ लिंकिंग करती हैं। आपने डीएपी लिया तो डीएपी के साथ नेनो यूरिया लेने के लिए मजबूर करती हैं, यह लिंकिंग बंद की जाए। महाराष्ट्र को 15 लाख 52 हजार मीट्रिक टन की सप्लाई एश्योर्ड की गई है, वह अभी तक नहीं हुई है, सिर्फ 5 लाख 20 हजार मीट्रिक टन ही हुई है। डीएपी का लक्ष्य 4 लाख 60 हजार मीट्रिक टन एश्योर किया गया था, लेकिन अब तक सिर्फ 1 लाख 26 हजार मीट्रिक टन ही हुआ है। मेरा अनुरोध है कि इस लक्ष्य को सुनिश्चित किया जाए। फसल लगाने के समय किसानों को पैसे की जरूरत पड़ती है। किसानों ने रबी और खरीफ का धान एमएसपी पर बेचा है, लेकिन अब तक उसका पैसा नहीं मिला है। मेरा निवेदन है कि वह पैसा जल्द से जल्द दिलाया जाए।